जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
(जन–सम्पर्क अनुभाग)
(प्रेस विज्ञप्ति)

जनवरी व फरवरी में प्रतिदिन 400–400 लाख यूनिट बिजली अतिरिक्त क्रय की जायेगी

बिजली आपूर्ति के ब्लॉक पुनः निर्धारण करने की समीक्षा के निर्देश

जयपुर, 31 दिसम्बर। ऊर्जा मंत्री डा0 जितेन्द्र सिंह द्वारा सोमवार को विद्युत भवन में राज्य में विद्युत आपूर्ति की वर्तमान स्थिति एवं आगामी गर्मी के मौसम में प्रदेश में पर्याप्त बिजली उपलब्धता एवं आपूर्ति के सम्बन्ध में समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक में बताया गया कि राज्य में वर्तमान में प्रतिदिन 1750 लाख यूनिट बिजली की मांग है। जिसके विरुद्ध राज्य में प्रतिदिन 1431 लाख यूनिट बिजली की उपलब्धता है। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार 319 लाख यूनिट विद्युत का शार्ट फॉल है। ऊर्जा मंत्री डा0 जितेन्द्र सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य के किसानों को जनवरी एवं फरवरी, 2013 में पर्याप्त बिजली मिल सके इस हेतु जनवरी एवं फरवरी में प्रतिदिन 400–400 लाख यूनिट अतिरिक्त बिजली क्रय की जाये। ऊर्जा मंत्री द्वारा मार्च, अप्रेल, मई व जून में बिजली की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। इस अवधि में बिजली की उपलब्धता व आपूर्ति की रणनीती पर विस्तार से विचार –विमर्श किया गया व व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

बैठक में अधिकारियों द्वारा बताया गया कि मार्च में छबड़ा से 250 मेगावाट, फरवरी में रामगढ से 110 मेगावाट व काली सिन्ध से एक जून से 600 मेगावाट बिजली का उत्पादन शुरु हो जाएगा। जिससे गर्मी के मौसम में यह अतिरिक्त बिजली मिल सकेगी।

डा0 जितेन्द्र सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे बिजली परचेज लांग टर्म पर करें। प्रतिदिन या सप्ताह के लिए परचेज नही करके लांग टर्म कम से कम एक माह के लिए परचेज करें। ऊर्जा मंत्री ने किसानो को सर्दी के मौसम में उनको राहत देने हेतु दिन के समय अधिक बिजली देने की बात कही। उन्होंने नये 4 ब्लॉक विद्युत आपूर्ति के सुझाए जिससे राज्य के किसानों को राहत मिल सके। प्रसारण निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री शैलेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि किसानों को बिजली आपूर्ति के वर्तमान व मंत्री महोदय द्वारा सुझाये गए 4 नये ब्लॉक निर्धारण पर तकनीकी रुप से उच्च अधिकारियों से समीक्षा कराई जाकर नये ब्लॉक निर्धारित किये जायेगे। यह कार्य तत्काल जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में करके रिपोर्ट ऊर्जा मंत्री महोदय को प्रस्तुत कर दी जाएगी।

बैठक में तीनो विद्युत वितरण कम्पनियां के अध्यक्ष श्री कुंजीलाल मीणा ने बताया कि राज्य में 11 केवी के 11469 फीडर है जिन पर प्रतिदिन 3 फेज व सिंगल फेज विद्युत सप्लाई की मानीटरिंग की जा रही है जिससे सभी फीडरों से समान रुप से बिजली सप्लाई सुनिश्चित रहे तथा बिजली की आपूर्ति की जानकारी भी उपलब्ध रहे। राज्य की तीनो विद्युत वितरण कम्पनियों में 3 फेज व सिंगल फेज के जले हुए ट्रांसफार्मर कितने समय में बदले जा रहे है इसकी भी प्रतिदिन मानीटरिंग की जा रही है। जिससे राज्य के किसानो को दिक्कत व परेशानी का सामना नही करना पड़े।

बैठक में निदेशक पावर ट्रेडिंग सी.एस.चण्डालिया ने राज्य में बिजली की मांग, उपलब्धता व आपूर्ति के सम्बन्ध में जानकारी उपलब्ध कराई। इस बैठक में अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक विद्युत उत्पादन निगम श्री पी.एन.सिघंल, प्रबन्ध निदेशक डिस्कॉम अजमेर श्री पी.एस.जाट, निदेशक

आपरेशन प्रसारण निगम, निदेशक तकनीकी जयपुर डिस्कॉम, निदेशक वित्त जयपुर डिस्कॉम व मुख्य अभियन्ता एलडी प्रसारण निगम भी मौजूद थे।

———

प्रेस विज्ञप्ति संख्या– 381/2012